

राखी का मूल्य (एकांकी)

(घ) नमिन्लखिति प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

अतलिघूत्तरीय प्रश्न-

1. कर्मवती कौन थी।

कर्मवती रानी थी, जो **मालवा के राजा रंजीत सहि** की पत्नी थी। उन्होंने **मुगल आक्रमणों** के खिलाफ संघर्ष किया था।

2. मेवाड़ के राजपूत किसके वरिद्ध युद्ध लड़ रहे थे?

मेवाड़ के राजपूत अकबर और **मुगल साम्राज्य** के वरिद्ध युद्ध लड़ रहे थे। उनके नेतृत्व में **राणा प्रताप** ने मुघल आक्रमणों का दृढ़ता से सामना किया।

3. कर्मवती ने किस आशंका के कारण हुमायूँ को रक्षा-सूत्र भजिवाया?

कर्मवती ने **मुगल आक्रमण** की आशंका के कारण **हुमायूँ** को रक्षा-सूत्र भजिवाया, ताकि वह उसकी सहायता कर सके।

4. हुमायूँ के पास रक्षा-सूत्र लेकर कौन गया?

कर्मवती के पास रक्षा-सूत्र लेकर **वागी** नामक एक राजदरबारी **हुमायूँ** के पास गया, ताकि वह सहायता भेज सके।

लघूत्तरीय प्रश्न-

1. वीरता से लड़ने के बावजूद भी कनि कारणों से राजपूतों की हार नश्चिती थी?

राजपूतों की हार **संख्यात्मक कमी**, **संगठित रणनीतिकी कमी**, और **मुगल साम्राज्य की मजबूत सैन्य शक्ति** के कारण नश्चिती थी, बावजूद वीरता के।

2. बाघ सहि ने कर्मवती को किस बाधा का स्मरण करवाया? स्पष्ट कीजिए।

बाघ सहि ने कर्मवती को **मुगल आक्रमण** और **राजनीतिक संकट** की बाधा का स्मरण कराया, जिससे मेवाड़ की रक्षा जरूरी थी।

3. कर्मवती को हुमायूँ से क्या आशा थी?

कर्मवती को **हुमायूँ से सहायता और सुरक्षा** की आशा थी, ताकि वह **मुगल आक्रमण** से मेवाड़ की रक्षा कर सके।

4. कर्मवती का पत्र पढ़कर हुमायूँ पर क्या प्रभाव पड़ा?

कर्मवती का पत्र पढ़कर **हुमायूँ पर दया और सम्मान** का प्रभाव पड़ा, और उसने मेवाड़ की सहायता करने का निर्णय लिया।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न-

1. हुमायूँ की उदारता और त्याग का वर्णन कीजिए।

हुमायूँ की **उदारता और त्याग** दर्शाता है कि उसने **कर्मवती** की सहायता के लिए अपना स्वार्थ त्याग किया। वह **राजनीतिक लाभ** के बजाय, **मानवता और धर्म** के आधार पर मेवाड़ की रक्षा में सहायक बना।

2. 'जनिहे हम दुश्मन समझते हैं, वे सब हमारे भाई हैं। हम एक खुदा के बेटे हैं।' इस कथन को वस्तुतः स्पष्ट कीजिए।

यह कथन **वश्वास, एकता और भाईचारे** का संदेश देता है। इसका मतलब है कि **सभी मनुष्य समान हैं**, चाहे वे किसी भी धर्म, जाति या राष्ट्र के हों। हम सभी **ईश्वर की संतान** हैं, इसलिए हमें आपसी मतभेदों को भूलकर **समान सम्मान और प्रेम** से जीना चाहिए।